RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : शुक्रवार 16 फरवरी 2024 वर्ष 05 अंक 295 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

शरद गुट को महाराष्ट्र के स्पीकर का झटका!

अजित पवार गुट को माना असली एनसीपी

मुंबई : महाराष्ट्र की राजनीति में हलचल मची हुई है। शिवसेना के विभाजन के बाद अब एनसीपी पार्टी में कुछ भी ठीक नहीं चल रहा है। इस बीच शरद पवार को गुरुवार को करारा झटका लगा। विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने विधायकों के खिलाफ अयोग्यता याचिका को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि एनसीपी अजित पवार की पार्टी है।

विधायकों के खिलाफ अयोग्यता याचिका दायर

एनसीपी में विभाजन के बाद अजित और शरद गुट ने एक-दूसरे के विधायकों के खिलाफ अयोग्यता याचिका दायर की। शिवसेना की तरह मामला विधानसभा अध्यक्ष के पास भेजा गया। राहुल नार्वेकर ने गुरुवार को फैसला सुनाया। उन्होंने कहा, 'अजित पवार के नेतृत्व वाली पार्टी असली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी है।'

अजित गुट असली एनसीपी

महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि नेतृत्व के फैसले या रुख के खिलाफ नाराजगी व्यक्त करने का मतलब यह नहीं कि पार्टी में विभाजन है। अजित गुट के पास विधानमंडल में बहुमत है। उन्होंने कहा कि इस बहुमत, संविधान के प्रावधानों और पार्टी की संरचना के आधार पर एनसीपी अजीत पवार की पार्टी है। राहुल नार्वेकर ने शरद पवार समर्थक विधायकों के खिलाफ अयोग्यता याचिका भी खारिज कर दी।

कांग्रेस नेता नाना पटोले ने बीजेपी पर कसा तंज!

अशोक चव्हाण को टिकट देने पर कह दी ये बड़ी बात

बीजेपी ने अशोक चव्हाण को राज्यसभा का टिकट दिया है. इसपर अब कांग्रेस की तरफ से नाना पटोले का बयान सामने आया है. पटोले ने बीजेपी पर तंज कसते हुए कहा, ''मुझे बीजेपी के लिए बहुत चिंता हो रही है कि उनके पास कोई नेता ही नहीं है...कार्यकताओं के लिए बीजेपी के पास सीट नहीं है और इंपोर्ट किए गए लोगों के लिए इनके पास स्थान है...बीजेपी का असली चेहरा सामने आ गया है...''

क्या बोले नाना पटोले?

नाना पटोले ने ''पर लिखा, 'बीजेपी के पास कोई नेतृत्व नहीं है. बीजेपी का तरीका 'आयाराम' को नामांकित करना और वफादार कार्यकताओं को बाहर करना है. बीजेपी उन कार्यकताओं को मौका नहीं दे रही है जो पार्टी को बढ़ाने के लिए जीवन भर मेहनत करते हैं. बीजेपी वर्तमान में भय दिखाकर, लूटकर, दूसरे की पार्टियों को तोड़कर और चोरी करके दूसरे दलों के लोगों को बीजेपी में लाने का काम कर रही है. बीजेपी में कोई नेता नहीं है. अब समय आ गया है कि बीजेपी जिन्हें 'डीलर' कहती थी, उन्हें ही नेता कहे. क्या बीजेपी अलग पार्टी है क्योंकि प्रधानमंत्री ने उन लोगों को राज्यसभा की उम्मीदवारी दी है जिन पर उन्होंने भ्रष्टाचार का आरोप लगाया था? पटोले ने कहा, बीजेपी के खाने और दिखाने के दांत अलग-अलग हैं.'

बीजेपी ने बनाया है उम्मीदवार

हाल ही में कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण को राज्यसभा का उम्मीदवार घोषित किया गया है. बीजेपी ने महाराष्ट्र से तीन उम्मीदवारों की सूची जारी की है. पार्टी ने महाराष्ट्र से चव्हाण के अलावा मेधा कुलकर्णी और अजीत गोपछड़े को उम्मीदवार बनाया है. कांग्रेस में लगभग चार दशक बिताने वाले चव्हाण कुछ दिन पहले ही मंगलवार को बीजेपी में शामिल हुए थे. उन्होंने सोमवार को कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था.

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अगली सुनवाई तक वानखेड़े को गिरफ्तार नहीं करेगी ईडी...

हाई कोर्ट में दिया हलफनामा

मुंबई: प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बॉम्बे हाई कोर्ट में हलफनामा दिया है कि वह मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अगली सुनवाई तक एनसीबी के पूर्व मुंबई जोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े को गिरफ्तार नहीं करेगा । केंद्रीय एजेंसी कथित मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में वानखेड़े की जांच कर रही है। वानखेड़े ने प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) मामले को बॉम्बे एचसी में चुनौती दी है और अपने खिलाफ मामले को रद्द करने की मांग की है। हाई कोर्ट इस मामले की अगली सुनवाई 20 फरवरी को करेगा. ईसीआईआर का मतलब प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट है। यह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज की गई शिकायत की औपचारिक प्रविष्टि है। इससे पहले 10 फरवरी को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा उनके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला

दर्ज करने के बाद समीर वानखेड़े ने कहा था कि उन्हें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है। प्रवर्तन निदेशालय ने सीबीआई की एफआईआर को स्वीकार करते हुए मामला शुरू किया है, जिसमें समीर वानखेड़े द्वारा सुपरस्टार शाहरुख खान के परिवार से उनके बेटे को ड्रग्स मामले में छोड़ने के लिए 25 करोड़ रुपये की रिश्वत की मांग का आरोप लगाया गया है। वानखेड़े ने आश्चर्य व्यक्त किया कि ईडी की प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) सीबीआई की एफआईआर पर आधारित है, जो वर्तमान में बॉम्बे उच्च न्यायालय के समक्ष सवालों के घेरे में है।

प्लेग दहिसर-भायंदर एलिवेटेड लिंक रोड परियोजना...

मुंबई : मुंबई कोस्टल रोड, जिसे दहिसर भायंदर एलिवेटेड लिंक रोड के नाम से जाना जाता है, के अंतिम चरण के पूरा होने में देरी हो रही है, और जल्द ही निर्माण शुरू होने के कोई संकेत नहीं हैं। मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी (एमएमआरडीए) ने हाल ही में बीएमसी को एक पत्र भेजा है, जिसमें परियोजना के खर्चों को अपनी वित्तीय सीमा के भीतर कवर करने में असमर्थता व्यक्त की गई है। इसके अलावा, परियोजना को अभी भी पर्यावरण विभाग से मंजूरी का इंतजार है, जिससे इसकी प्रगति में बाधा आ रही है। एलिवेटेड रोड का उद्देश्य दहिसर पश्चिम कंदरपाड़ा लिंक रोड को भयंदर पश्चिम सुभाष चंद्र बोस गार्डन से जोड़ना है। हालाँकि, एमएमआरडीए की वित्तीय बाधाओं के कारण, यह परियोजना, जो नगर निगम द्वारा शुरू की जा रही थी, अब रुकने का खतरा है। पिछले सप्ताह बीएमसी को भेजे गए एमएमआरडीए के पत्र में परियोजना से जुड़ी लागतों को वहन करने में संगठन की असमर्थता को रेखांकित किया गया था। नतीजतन, जैसा कि नगर निगम अपनी मौजूदा परियोजनाओं को पूरा करने में जूझ रहा है, दहिसर भायंदर एलिवेटेड लिंक रोड परियोजना में देरी बड़ी दिख रही है।

प्रारंभ में, बीएमसी परियोजना के लिए आवश्यक धन उपलब्ध कराने के लिए एमएमआरडीए पर निर्भर थी। हालाँकि, एमएमआरडीए की ओर से अनुवर्ती कार्रवाई में कमी रही है, और संगठन ने अब आधिकारिक तौर पर बीएमसी को परियोजना को वित्तपोषित करने में अपनी असमर्थता बता दी है। इस हालिया घटनाक्रम से यह चिंता पैदा हो गई है कि यदि एमएमआरडीए अपना समर्थन वापस ले लेता है, तो परियोजना में और देरी हो सकती है या यहां तक कि रुक भी सकती है।

जैसा कि बीएमसी चल रही परियोजनाओं पर अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने का प्रयास करती है, सड़क की फंडिंग को लेकर अनिश्चितता इसकी समस्या में एक और चुनौती जोड़ती है। परियोजना का भविष्य अधर में लटका होने के कारण, हितधारक उत्सुकता से आगे के अपडेट और वित्तीय गतिरोध के समाधान का इंतजार कर रहे हैं।एक अधिकारी के अनुसार, लार्सन एंड टुब्रो आवश्यक मंजूरी और अनुमति प्राप्त करने सहित परियोजना के निर्माण की देखरेख के लिए जिम्मेदार है।

किसान को रेलवे में नौकरी दिलवाने का वादा और ऐंठ ली बड़ी रकम, अब अदालत के चक्कर...

ठाणे : नवी मुंबई पुलिस ने 32 वर्षीय एक किसान को भारतीय रेलवे में नौकरी दिलाने का झांसा देकर उससे 25,000 रुपये की धोखाधड़ी करने के आरोप में एक डॉक्टर और उसके सहयोगी के खिलाफ मामला दर्ज किया है. एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी. सीबीडी पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया कि महाराष्ट्र के जलगांव के रहने वाले पीड़ित ने पिछले साल 28 नवंबर को नवी मुंबई के बेलापुर इलाके में डॉक्टर को उसके क्लीनिक में कथित तौर पर 25,000 रुपये दिए थे. किसान ने दावा किया कि उसे रेलवे में नौकरी दिलवाने का वादा किया गया था, और उसे पैसे देने के बाद एक फर्जी नियुक्ति पत्र भी प्रदान किया गया था. किसान ने इगतपुरी थाने पर सरकारी रेलवे पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है. अब डॉक्टर को अदालत के चक्कर काटने होंगे.

संपादकीय / लेख

किसान मांगों के वित्तीय आयाम

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

यह किसान आंदोलन नहीं, हिंसक टकराव लगता है। चूंकि 2500 ट्रैक्टर और अन्य निजी गाडिया पंजाब से रवाना हुई थीं। वे दिल्ली जाने पर आमादा हैं। ऐसे में हालात हिंसक होना स्वाभाविक है। सुरक्षा बलों और पुलिस को ड्रोन से आंसू गैस के गोले दागने पड़े, क्योंकि कानून-व्यवस्था बनाए रखना राज्य सरकार का दायित्व है। किसानों को खदेडया पड़ा, तो पलट कर उन्होंने जमकर पथराव किया। शंभु बॉर्डर पर इस टकराव में 100 से अधिक किसान घायल हुए और 50 से ज्यादा बेहोश हुए, जबकि अंबाला के डीएसपी समेत 21 पुलिसकर्मी भी जख्मी हुए। क्या ऐसे आंदोलन से किसानों की समस्याएं हल हो सकती हैं? मांगें मानी जा सकती हैं? दरअसल किसानों की मांगें वित्तीय और बजटीय अधिक हैं, लिहाजा आज हम उन्हीं आयामों का विश्लेषण करेंगे। सवाल है कि जब स्वामीनाथन आयोग ने नवंबर, 2006 तक अपनी छह रपटें भारत सरकार को सौंप दी थीं, तो उन्हें लागू क्यों नहीं किया गया? क्योंकि डॉ. मनमोहन सिंह की सरकार जानती थी कि रपट के मुताबिक न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) तय किया गया, तो वित्तीय स्थिरता डगमगा सकती है और खाद्य मुद्रास्फीति 25-30 फीसदी तक बढ़ सकती है। क्या किसान देश में ऐसे आर्थिक हालात चाहते हैं? प्रख्यात कृषि अर्थशास्त्री अशोक गुलाटी का आकलन भी यही है। उनका कहना है कि मनमोहन सिंह सरीखे अर्थशास्त्री और प्रधानमंत्री एमएसपी गारंटी कानून का रास्ता नहीं अपनाएंगे, लिहाजा सरकार ने उन रपटों को लागू नहीं किया। यह आकलन भी है कि यदि सरकार को एमएसपी गारंटी पर ही 22-23 फसलों की खरीद करनी पड़े, तो उसे कमोबेश 10 लाख करोड़ रुपए खर्च करने पड़ेंगे।

> *सवाल है कि जब स्वामीनाथन आयोग ने नवंबर, 2006 तक अपनी छह रपटें भारत सरकार को सौंप दी थीं, तो उन्हें लागू क्यों नहीं किया गया? क्योंकि डॉ. मनमोहन सिंह की सरकार जानती थी कि रपट के मुताबिक न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) तय किया गया, तो वित्तीय स्थिरता डगमगा सकती है और खाद्य मुद्रास्फीति 25-30 फीसदी तक बढ़ सकती है। क्या किसान देश में ऐसे आर्थिक हालात चाहते हैं?*

यह राशि देश के आधारभूत ढांचे के लिए तय बजट के लगभग बराबर है। हमारा कुल खर्च बजट करीब 45 लाख करोड़ रुपए का है। यदि इसका एक-चौथाई हिस्सा फसलों की खरीद पर ही खर्च किया जाता है, तो अन्य विकास परियोजनाओं का क्या होगा? मौजूदा सरकार ने अपने 10-साला कार्यकाल के दौरान 18.40 लाख करोड़ रुपए के एमएसपी बढ़ाए हैं। जाहिर है कि किसानों की फसलें बेहतर दाम पर बिक रही हैं। यदि उन्हें कम दाम मिलते हैं अथवा मंडियों में आढ़तियों के गिरोह किसान का आर्थिक शोषण करते हैं, तो वह खुले बाजार की व्यवस्था को स्वीकार क्यों नहीं करता? भारत सरकार की विभिन्न एजेंसियां 2.28 लाख करोड़ रुपए सालाना की फसलें खरीदती हैं, जबकि यूपीए सरकार के दौरान 1.06 लाख करोड़ रुपए की फसलों की खरीद ही की जाती थी। बहरहाल आंदोलित किसानों की मांगें सिर्फ एमएसपी गारंटी कानून तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि वे आग्रह कर रहे हैं कि भारत 'विश्व व्यापार संगठन' से बाहर आ जाए। उसके साथ समझौते को रद्द कर दे। यह कैसे संभव है? भारत ने यूपीए सरकार के दौरान इस संगठन के दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए थे। कल किसान कहेंगे कि अमुक देश के साथ कारोबार करना या नहीं करना है। वे अनाप-शनाप आग्रह कर सकते हैं। उन्हें मानना कैसे संभव है? इसके अलावा, किसान 10,000 रुपए माहवार की पेंशन और फसल बीमा की किस्त का सरकार द्वारा ही भुगतान की मांग भी कर रहे हैं। देश के अन्य समुदाय, पेशेवर और उद्यमी भी ऐसी मांगों को लेकर आंदोलन करेंगे। देश की सरकार क्या करेगी और बजट कहां से लाएगी? सिर्फ किसानों के लिए देश की अर्थव्यवस्था बर्बाद नहीं की जा सकती।

+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

महाराष्ट्र के किसानों ने दूध पर मांगी एमएसपी,

कहा-पशुपालकों की मेहनत की मलाई खा रहीं डेयरी कंपनियां...

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र कांदा उत्पादक संगठन के बाद राज्य के एक और किसान यूनियन ने पंजाब-हरियाणा के किसान आंदोलन को समर्थन दिया है. साथ ही दूध को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के दायरे में लाने की मांग की है. इस मांग को लेकर महाराष्ट्र के दूध उत्पादक किसान करीब पांच साल से सरकार से लड़ाई लड़ रहे हैं. हर साल वो सरकार से अपना विरोध दर्ज करवाने के लिए एक दो बार सड़कों पर जतरते हैं और दूध बहाते हैं.

अखिल भारतीय किसान सभा के वरिष्ठ नेता डॉ. अजीत नवले ने कहा कि दूध को एमएसपी के दायरे में लाए बिना पशुपालन घाटे का सौदा रहेगा. क्योंकि अभी तो पशुपालकों की मेहनत का फल डेयरी वालों को मिल रहा है. किसानों को सिर्फ नुकसान हो रहा हैं. डॉ. नवले ने कहा कि महाराष्ट्र में रोजाना 1 करोड़ 30 लाख लीटर दूध का उत्पादन होता है. ज्यादातर दूध की आपूर्ति निजी क्षेत्र को की जाती है. राज्य के पशुपालक 72 परसेंट दूध निजी क्षेत्र की डेयरी को बेचते हैं, बाकी कोऑपरेटिव सेक्टर को जाता है. वर्तमान में एमएसपी न होने के कारण ये दोनों ही सेक्टर दूध का प्राथमिक उत्पादकों का शोषण कर रहे हैं. इसलिए हम चाहते हैं कि लागत के अनुसार दूध की एमएसपी तय हो.

किसानों को दूध का उचित दाम दिलाने की मांग को लेकर महाराष्ट्र में कई बार आंदोलन का नेतृत्व कर चुके डॉ. नवले ने बताया कि इस समय दूध की लागत प्रति लीटर 42 रुपये तक आ रही है, क्योंकि हरा, सूखा चारा और पशु आहार सब काफी महंगा हो चुका है. जबकि पशुपालन करने वालों को अभी सिर्फ 32 रुपये लीटर का दाम मिल रहा है. जबकि इसमें राज्य सरकार द्वारा दी गई 5 रुपये प्रति लीटर की मदद भी शामिल है. इसलिए घाटे में दूध बेचने की वजह से किसान आंदोलन पर मजबूर हैं. उपभोक्ताओं को दूध 70 रुपये लीटर मिल रहा है.

किसान आंदोलन की मांगों का समर्थन

डॉ. नवले का कहना है कि पंजाब-हरियाणा में हो रहे किसान आंदोलन को इसलिए हमारा समर्थन है क्योंकि उनकी मांगें पूरे देश के लिए है. कॉमन मांग है. जैसे उन्होंने पूरे देश के किसानों के लिए सभी फसलों की एमएसपी पर खरीद गारंटी का कानून बनाने और स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट के अनुसार फसलों के भाव तय करने की मांग की है. इसमें सभी किसानों का हित शामिल है. यही नहीं किसानों और मजदूरों की कर्जमुक्ति की मांग भी सारे किसान संगठन करते हैं इसलिए हमारा इस आंदोलन को समर्थन है. एमएसपी की गारंटी मिलेगी तो पूरे देश के किसानों का भला होगा.

पत्नी के सामने ठेकेदार की बेरहमी से हत्या, 6 लोगों ने घात लगाकर मारा

मुंबई : मुंबई के करीब नवी मुंबई शहर में पुराने विवाद को लेकर छह बदमाशों ने 30 वर्षीय एक श्रमिक ठेकेदार की हत्या कर दी। ठेकेदार को बचाने गयी उसकी पत्नी भी घायल हो गयी है। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह घटना मंगलवार शाम को नेरुल इलाके के सेक्टर 10 में हुई। मृतक का नाम चिराग लोके है। पुलिस ने बताया कि मृतक और आरोपी दोनों आपराधिक पृष्ठभूमि के है और उनके खिलाफ गंभीर अपराध दर्ज हैं।

6 लोगों ने मिलकर मारा

पुलिस के मुताबिक, हमलावरों ने दंपति पर लोहे की छड़ों और धारदार हथियारों से हमला किया। चिराग की मौके पर ही मौत हो गई और उसकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। उसकी पत्नी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। नेरुल पुलिस ने मृतक की पत्नी की शिकायत पर छह लोगों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) और 307 (हत्या का प्रयास), और शस्त्र अधिनियम एवं महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम के प्रावधान के तहत केस दर्ज किया है। सभी आरोपी फरार है।

रॉड और धारदार हथियार लाये थे बदमाश

चिराग लोके श्रमिक ठेकेदार का काम करता था और उस पर हमला करने वाला मुख्य आरोपी भी वही काम करता है। उनके बीच जेल में साथ रहने के दौरान दोस्ती हुई थी। काम को लेकर उनमें कथित तौर पर विवाद हो गया था। नेरुल पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि दोनों मुंबई के मानखुर्द इलाके में काम करना चाहते थे। इसी विवाद को लेकर 9 फरवरी को चिराग और उसकी पत्नी को लेकर आरोपियों ने धमकाया भी था। इसके बाद मंगलवार को जब ठेकेदार चिराग अपनी पत्नी के साथ घर लौट रहा था, तभी आरोपी ने अपने पांच अन्य साथियों के साथ उन्हें बीच रास्ते में रोक लिया।

वकील बताकर सोना में मुनाफा देने के नाम पर धोखाधड़ी

मुंबई : 71 वर्षीय एक महिला सैफ ने दादर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करवाई है कि मिस्टर एंड मिसेज दादर फैशन शो के दौरान एक दुकान में श्वेता बडगूजर नामक महिला से उनकी पहचान हुई। इसके बाद महिला ने खुद को उच्च न्यायालय का सरकारी वकील और अपने भाई को कस्टम विभाग का अधिकारी बताकर लोगों से सस्ते दामों में सोना में इन्वेस्ट कर पांच हजार प्रति 10 ग्राम पर मुनाफा कमाने और सस्ते दाम में फ्लैट दिलवाने के नाम पर धोखाधड़ी करने के मामले में एफआईआर दर्ज किया है। महिला पर मुंबई के कई पुलिस थानों में एफआईआर भी दर्ज है। दादर पुलिस ने बताया कि 8 जुलाई 2021 को मुंबई के दादर इलाके में 50 साल से अधिक महिलाओं के लिए मिस्टर एंड मिसेज दादर नमक फैशन शो का आयोजन किया गया था। जिसमें शिकायतकर्ता ने भाग लिया था।

11 साल की मेड को टॉर्चरः महिला टीचर पाइप से पीटती थी, कई दिनों तक भूखा रखा... बाहर निकलने पर पांबदी लगाई थी

ठाणे : ठाणे में 33 साल की एक महिला टीचर के खिलाफ 11 साल की नाबालिग मेड पर प्रताड़ना का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि कपूरबावड़ी इलाके की रहने वाली आरोपी टीचर मेड को पाइप से पीटती थी। उसे कई दिनों तक भूखा रखती थी। पीड़ित ने बताया कि वह दिल्ली की रहने वाली है। महिला टीचर उसे अपने बच्चे की देखभाल करने के लिए लेकर आई थी। बच्चे की देखभाल न करने का आरोप लगाकर महिला टीचर दिसंबर 2023 से उसे टॉर्चर करने लगी। नाबालिग ने पुलिस को बताया कि आरोपी टीचर उसे कमरे में बंद कर देती थी और कई दिनों तक खाना नहीं देती थी। पीड़ित बच्ची को घर से बाहर निकलने की भी इजाजत नहीं थी। पुलिस ने बताया कि जिस बिल्डिंग में आरोपी महिला रह थी, उसके पड़ोस के फ्लैट में काम करने वाली महिलाओं ने बच्ची को बचाया। पुलिस ने अब तक आरोपी टीचर को गिरफ्तार नहीं किया है। नाबालिग मेड को प्रताड़ित करने का एक मामला सितंबर 2023 में असम में भी देखने को मिला था। नाबालिग मेड ने एक मेजर और उसकी पत्नी पर आरोप लगाया कि मालकिन मेरे काम से खुश नहीं रहती थीं। इसीलिए मुझे कमरे में बंद कर देतीं, बाल खींचती और बेलन से पीटती थीं। वो मेरे कपड़े उतारकर तब तक पीटतीं, जब तक मैं लहूलुहान नहीं हो जाती। कई बार उन्होंने मुझे अपना खून चाटने तक को मजबूर किया।

पालघर में मछली पकड़ने वाले युवक का खूंखार शार्क ने काटा पैर...

पालघर : महाराष्ट्र के पालघर में एक हैरान करने वाली घटना हुई है। जहां मछली पकड़ने के लिए नदी में उतरे युवक पर एक शार्क ने जानलेवा हमला कर दिया। पीड़ित के एक पैर को 200 किलो वजनी शार्क ने चबा लिया। उसकी हालत गंभीर है। जबकि शार्क की मौत हो गई है। इस घटना से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है।

मिली जानकारी के मुताबिक, पालघर जिले में वैतरणा खाड़ी में मछली पकड़ने गए 32 वर्षीय शख्स का पैर शार्क द्वारा काट लेने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हैरानी की बात यह है कि शख्स पर हमला करने वाली खूंखार शार्क की मौत हो गई है। फिलहाल पीड़ित का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

यह घटना मंगलवार को शाम 7 बजे के करीब मनोर के पास वैतरणा नदी क्षेत्र में हुई। कई लोग नदी से जुड़ी खाड़ी में मछली पकड़ने गए थे, तभी अचानक विक्की सुरेश गोवारी पर शार्क ने हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। ग्रामीणों ने विक्की को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। जबकि कुछ ग्रामीणों ने शार्क की तलाश शुरू की। तभी उन्हें शार्क का शव पानी में तैरता दिखा। इस बीच मनोर पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंची।

20 फरवरी को विधानसभा में मराठा आरक्षण के मुद्दे पर विशेष सत्र

मुंबईः महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण के मुद्दे पर मचे घमासान के बीच राज्य सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अध्यक्षता में राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में विशेष सत्र बुलाने का फैसला लिया गया। कैबिनेट की मंजूरी के बाद अब महाराष्ट्र विधानसभा का 20 फरवरी को विशेष सत्र होगा। इसमें मराठा समुदाय की विभिन्न मांगों पर चर्चा की जाएगी। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने पहले भी विधानसभा का सत्र बुलाने के संकेत दिए थे, लेकिन अब मंत्रिमंडल की मंजूरी के बाद मराठा समुदाय की मांगों पर विधानसभा में चर्चा की जाएगी। महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जरांगे पाटिल लगातार सरकार पर दबाव बना रहे हैं और आरक्षण के मुद्दे पर किए गए वादों को पूर करने के लिए कह रहे हैं तो वहीं दूसरी राज्य में कैबिनेट मंत्री मराठा समुदाय के लोगों को कुनबी सर्टिफिकेट देकर ओबीसी में शामिल करने का विरोध कर रहे हैं।

वसई-विरार शहर की सुंदरता में रोड़ा बन रहे हैं अनधिकृत बोर्ड और बैनर...

वसई : वसई-विरार शहर महानगरपालिका सड़क सौंदर्याकरण पर खर्च कर रहा है। दीवारों भी चित्रित किया जा रहा है, लेकिन एक तरफ तो हम सौंदर्याकरण कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ सड़कों पर लगे अनाधिकृत बोर्ड और बैनर उस शहर के सौंदर्गीकरण में बाधक बन रहे हैं। ऐसे अनाधिकृत होर्डिंग, बोर्ड और बैनर के कारण ट्रैफिक जाम, मनपा के राजस्व की हानि जैसी कई समस्याएं सामने आई हैं। जिससे यह मामला गंभीर होता जा रहा है, और राज्य सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए, यह विचार शिवसेना उपजिला प्रमुख दिवाकर सिंह ने व्यक्त किये। फादर वाडी से शिवसेना नगरसेविका शिल्पा

सिंह ने वार्ड समिति ''जी''में अनधिकृत होर्डिंग्स के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए एक आवेदन दिया था। विज्ञापन विभाग ने तब उनसे अनधिकृत होर्डिंग्स की तस्वीरें मांगी थीं और कहा गया था कि तस्वीरें मिलने के बाद कार्रवाई की जाएगी। इससे विज्ञापन (जाहिरात) विभाग को भी अपने क्षेत्र में अवैध रूप से लगे बड़े होर्डिंग्स की जानकारी नहीं हो पाती है। इसके अलावा वार्डवार भी वित्तीय हेराफेरी की गई है और अनधिकृत होर्डिंग की अनुमति दी गई है। ऐसा वित्तीय भ्रष्टाचार विज्ञापन विभाग के आशीर्वाद के बिना नहीं हो सकता, दिवाकर सिंह ने भी यह राय व्यक्त की है। वसई विरार शहर की सीमा के भीतर नए विज्ञापन होर्डिंग, लगाने के लिए महाराष्ट्र अधिनियम, 1949 की धारा 244, 245 और विज्ञापन और बिलबोर्ड नियंत्रण नियम, 2003 के तहत अनुमति दी जाती है और इसके लिए दिए गए लाइसेंस का नवीनीकरण किया जाता है। लेकिन वसई विरार शहर की सीमा में बिना अनुमति के लगाए गए अनाधिकृत फलक, बोर्ड, बैनर पर मनपा द्वारा कोई दैनिक कार्रवाई या सर्वेक्षण नहीं किया जाता है।

नायगांव में महिला की हत्या... आरोपी गिरफ्तार

नायगांव : एक पुराने विवाद नायगांव में रहने वाली एक महिला की हत्या कर दी गई है। गांव के ही एक युवक ने गांव में बदनामी के लिए उसकी लकड़ी से पीट-पीटकर हत्या कर दी है। पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। मिली जानकारी के

अनुसार, मृतक महिला मंजुला (55) अपने पति के साथ कामण के बेलकड़ी इलाके में रहती थी। उसका उसी इलाके में रहने वाले सागर बेंडगा से विवाद हो गया था। पुराने विवाद के चलते सोमवार की रात सागर उसके घर गया और लकड़ी के डंडे से उसकी पिटाई कर दी। इस पिटाई में मंजुला की मौत हो गई। मृतक महिला आरोपी सागर को बदनाम कर रही थी। उसी गुस्से के चलते उसने यह हत्या की है।

लाखों रुपए एमडी ड्रग्स व ब्राउन शुगर के साथ दो लोग धर दबोचे गए

नालासोपारा : नालासोपारा तुलिंज पुलिस स्टेशन क्षेत्र में तुलिंज पुलिस ने लाखों रुपए के अवैध मादक पदार्थ पर कार्रवाई करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक फरार बताया जा रहा है। इस संबंध में तुलिंज पुलिस ने तीनों आरोपियों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर आगे की जाँच में जुट गयी है। यह कार्रवाई डीसीपी पौर्णिमा चौगुले - सीनियर पीआई शैलेन्द्र नगरकर

के नेतृत्व में तुलिंज पुलिस ने की है। पुलिस ने बताया है कि, गुप्त सूचना के आधार पर तुलिंज पुलिस ने 13 फरवरी को रात्रि लगभग 11 बजे के आसपास में तुलिंज, साई प्ररेणा बिल्डिंग के सामने स्थित दो लोगों को एम डी ड्रग्स (मेफेड्रॉन) व ब्राउन शुगर के साथ पकड़ा।

शरद पवार से ज्यादा खराब स्तिथि कांग्रेस पार्टी की है- चंद्रशेखर बावनकुले

मुंबईः महाराष्ट्र बीजेपी अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की और कांग्रेस पर जमकर हमले किए. इस दौरान उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस 2047 तक भी सत्ता में वापसी नहीं कर पाएगी. वहीं, उन्होंने कहा कि कांग्रेस और शरद पवार के गुट वाली एनसीपी के पास अब कुछ नहीं बचा है. शरद पवार से ज्यादा खराब स्तिथि कांग्रेस पार्टी की है. आने वाले दिनों में कांग्रेस की हालत यह होगी कि उनकी वर्किंग कमेटी में भी कोई नहीं बचेगा. मोदी के गारंटी के आगे कांग्रेस कहीं नहीं है. बता दें कि बीजेपी ने महाराष्ट्र से राज्यसभा के लिए तीन नामों की घोषणा की है. इनमें मेधा कुलकर्णी, अजीत गोपछड़े के अलावा अशोक चव्हाण का भी नाम है. अशोक चव्हाण दो दिन पहले ही बीजेपी में शामिल हुए हैं. चव्हाण को राज्यसभा का उम्मीदवार घोषित करने के बाद महाराष्ट्र कांग्रेस ने भी प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी जिसमें पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने बीजेपी पर जमकर हमला बोला था. पटोले ने आरोप लगाया कि बीजेपी भ्रष्टाचारियों को इकट्ठा कर रही है. दरअसल, कुछ दिन पहले चंद्रशेखर बवानकुले ने ही कहा था कि आने वाले दिनों में महाराष्ट्र की राजनीति में उथल-पुथल देखने को मिलेगी.

बॉम्बे हाई कोर्ट ने डॉक्टर के खिलाफ बलात्कार का मामला पीड़िता की सहमति से किया रद्द

मुंबईः बॉम्बे हाई कोर्ट ने शहर के एक डॉक्टर के खिलाफ बलात्कार के मामले को पीड़िता की सहमति के बाद रद्द कर दिया है, साथ ही एक वकील संस्था पर 5 लाख रुपये का जुमार्ना भी लगाया है।अदालत ने कहा कि यह दिखाने के लिए पर्याप्त सामग्री है कि संबंध सहमति से बने थे।''रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री से संकेत मिलता है कि पीड़िता आरोपी की कंपनी में थी। उसने स्वेच्छा से ऐसा किया। यह रिश्ता जाहिर तौर पर सहमति से बना था,'' जस्टिस पीडी नाइक और एनआर बोरकर की पीठ ने 8 फरवरी को अपने आदेश में कहा।एचसी बांद्रा स्थित डॉक्टर द्वारा सहमति से मामले को रद्द करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई कर रहा था।

महिला ने पिछले साल 24 मई को खार पुलिस में डॉक्टर के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। उसने आरोप लगाया कि वह 21 मई को डॉक्टर के साथ एक होटल में गई जहां दोनों ने शराब पी। उसने आरोप लगाया कि इसके बाद उसने उसका यौन उत्पीड़न किया।डॉक्टर को सत्र अदालत ने गिरफ्तारी से पहले जमानत दे दी थी। पुलिस ने मामले में आरोप पत्र भी दाखिल कर दिया है।उनकी याचिका में कहा गया है कि पक्षों के बीच गलतफहमी थी जिसे सुलझा लिया गया है और शिकायतकर्ता की सहमति से कार्यवाही रद्द की जा सकती है। महिला ने एक हलफनामा भी दायर किया जिसमें कहा गया कि उसे कार्यवाही रद्द करने पर कोई आपत्ति नहीं है।''पीड़िता जीवन में आगे बढ़ने का इरादा रखती है। कार्यवाही के लंबित रहने से उनकी शांति भंग होगी,'' पीठ ने कहा।अदालत ने कहा कि शराब परीक्षण पर अस्पताल की रिपोर्ट नकारात्मक थी। इसने उन तस्वीरों पर भी ध्यान दिया, जो आरोपपत्र का एक हिस्सा हैं, ''जिस होटल परिसर में कथित घटना हुई थी, वहां पीड़ित और आरोपी की मौजूदगी से संकेत मिलता है कि दोनों अपनी कंपनी का आनंद ले रहे थे''। साथ ही, न्यायाधीशों ने शिकायतकर्ता के एक दोस्त के बयान पर भी भरोसा किया जो डॉक्टर और शिकायतकर्ता के साथ आया था। ''उसने उनकी कंपनी छोड़ दी। पीड़िता उसके साथ नहीं गई और आरोपी के साथ जाने का फैसला किया। वह अपने और पीड़िता के बीच हुई बातचीत का भी हवाला देती है जिससे पता चलता है कि पीड़िता तुरंत घर नहीं लौटी। पीड़िता का इरादा बहाना बनाकर बाहर रहने का बहाना देने का था,'' न्यायाधीशों ने रेखांकित किया।महिला अदालत में उपस्थित थी और उसने कार्यवाही रद्द करने के लिए अपनी सहमति दी।

प्रेम संबंध विवाद में दो अपराधियों की हत्या!

नागपुर : वेलेंटाइन डे के मौके पर महाराष्ट्र के नागपुर शहर में प्रेम संबंधों को लेकर विवाद के बाद दो कुख्यात अपराधियों की हत्या की घटनाएं सामने आई हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, सूरज (25) नाम के अपराधी की बुधवार दोपहर में अजनी पुलिस थाना क्षेत्र के नाइक नगर में चाकू मारकर हत्या कर

दी गई। सूरज हाल ही में दो साल की सजा काटने के बाद वर्धा जेल से रिहा हुआ था। वह बिहारी अमीर महतो के नाम से कुख्यात था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि सूरज की हत्या के मामले में विपिन राजकुमार गुप्ता (26), अनिल (26) और विजय (27) को देर रात गिरफ्तार किया गया। शुरूआती जांच में पता चला है कि विपिन का युवती के साथ प्रेम संबंध में था, लेकिन दोनों का ब्रेकअप हो गया था। बाद में युवती और सूरज की दोस्ती हो गई। सूरज ने हाल ही में विपिन को युवती से दूर रहने की चेतावनी दी थी। पुलिस अधिकारी ने कहा कि विपिन इस बात से नाराज था और उसने कथित तौर पर अन्य आरोपियों के साथ सूरज को मारने की साजिश रची। बुधवार को जब सूरज बाइक से कहीं जा रहा था तो विपिन ने अन्य आरोपियों के साथ मिलकर उसपर हमला कर दिया। पुलिस के मुताबिक, सूरज किसी तरह से बचकर एक घर में छिप गया, लेकिन हमलावरों ने उसे पकड़ लिया और चाकू मारकर उसकी हत्या कर दी। वहीं, एक अन्य घटना में घटना घायल तांडापेठ निवासी अभिषेक उर्फ भांजा संजय गुलाबे (23) ने नागपुर के मेयो अस्पताल में इलाज के दौरान बुधवार को दम तोड़ दिया। गुलाबे का आपराधिक रिकॉर्ड था। पुलिस ने बताया कि प्रेम प्रसंग विवाद को लेकर रविवार को पंचपावली इलाके में उसपर धारदार हथियार से हमला किया गया था।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : शुक्रवार 16 फरवरी 2024

मध्य रेल के मुंबई मंडल का अभियान

बगैर टिकट यात्रियों से जुमार्ना 100 करोड़ पार

मुंबई : मध्य रेल के मुंबई मंडल की टिकट चेकिंग टीम ने बेटिकट यात्रियों से जुमांना वसूली में 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है. हालांकि पिछले वर्ष भी मुंबई मंडल ने टिकट चेकिंग आय में 26 फरवरी 2023 को 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया था इस बार उसके पहले ही 13 फरवरी तक अवैध यात्रियों से 100,21,50,988/- रुपये वसूल किए हैं.

वसूले 39.05 करोड़ : मेनलाइन बैच ने सर्वाधिक 39.05 करोड़ रुपये का योगदान दिया है. उन्होंने 4,67,108 मामले पकड़े. उपनगरीय बैच ने 4,82,198 मामलों से 29.56 करोड़ रुपये वसूल किया. स्टेशन स्टाफ का 14.14 करोड़ रुपये का योगदान रहा उन्होंने 1,62,765 मामले पकडे. 1,62,765 मामले सामने आए. तेजस्विनी बैच जिसमें महिला टिकट चेकिंग स्टाफ शामिल है, उन्होंने अनियमित या बिना टिकट यात्रा के 1,65,734 मामले पकड़ कर 4.58 करोड़ का जुमार्ना वसूल किया.

करोड़पति टीसी : जुमार्ना वसूली में मुंबई मंडल के तीन स्टाफ सदस्य भी रहे जिन्होंने 1 करोड़ रुपये की कमाई को पार कर लिया है और उन्हें मुंबई मंडल के करोड़पति करार दिया गया है.

मरीजों के स्वास्थ्य के साथ हो रहा खेल,

अस्पताल में रोटी की जगह दिया जा रहा ब्रेड

मुंबई : मुंबई सेंट्रल में स्थित नायर अस्पताल में प्रशासन की लापरवाही के चलते करीब पांच दिनों तक अस्पताल में एडमिट मरीजों को आहार में रोटी और चावल की जगह ब्रेड दिया गया। यह मरीजों के स्वास्थ्य के साथ एक बड़ा खिलवाड़ है। नागरिक बीमार होने के बाद सीधा मनपा अस्पताल जाता है, जिसके पीछे दो कारण होते हैं। पहला यह कि उनकी आर्थिक स्थिति सही नहीं होती और दूसरा उन्हें मनपा अस्पताल पर भरोसा होता है कि यहां उनका अच्छा इलाज होने के साथ ही उनकी सेहत का भी भरपूर ख्याल रखा जाएगा, लेकिन मरीजों का अब ऐसा सोचना गलत है। उन्हें ये नहीं मालूम है कि जिस अस्पताल में जा रहे हैं, वहां उन्हें प्रशासन की लापरवाही से मिलने वाले आहार में रोटी और चावल की जगह ब्रेड दे दिया जाता है।

नायर अस्पताल में फरवरी महीने के पांच से लेकर नौ तारीख तक आटे का स्टॉक खत्म हो गया था। बताया गया कि अस्पताल में आटे के लिए निकाला गया टेंडर अभी प्रॉसेस में है, जिसके लिए तीन से चार महीने लग सकते हैं। इसके चलते बाहर बाजार से अस्पताल में आटे की कमी को पूरा किया जा रहा है। नायर हॉस्पिटल में आटे के टेंडर के अलावा सब्जियों का टेंडर भी खत्म हो चुका है, ऐसे में अस्पताल के प्रबंधन पर इस लापरवाही को लेकर एक बड़ा सवाल खड़ा होता है। बता दें कि नायर अस्पताल में इस वक्त करीब १,००० मरीज हैं, जिसमें ३०-४० वैंछसर मरीज भी हैं। अस्पताल में भर्ती कुछ मरीजों का खाना उनके घर से आता है, लेकिन गरीब वर्ग के मरीज अस्पताल के भोजन पर ही आश्रित होते हैं। अस्पताल में रोजाना इन मरीजों के खाने के लिए आहार में सब्जी, रोटी, चावल और दाल बनाया जाता है। इसके अलावा मरीजों को अंडा और दूध भी दिया जाता है, लेकिन मरीजों को फरवरी महीने में लगातार पांच दिनों तक आहार में रोटी की जगह ब्रेड दिया गया। अब अगर इन मरीजों को चावल और रोटी की जगह खाने में ब्रेड दिया जाएगा तो उनकी सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है, क्योंकि ब्रेड से मरीजों को पेट से संबंधित बीमारी हो सकती है। जब अस्पताल में जाकर इस बारे में जानकारी ली गई तो पता चला कि अस्पताल में पांच से लेकर नौ फरवरी तक खाने में दो तरह की सब्जी, अंडा, दाल मिला जबकि मरीजों के आहार की थाली से रोटी और चावल गायब रहा, क्योंकि इस दरमियान अस्पताल में आटा और चावल नहीं था। इस वजह से मरीजों को रोटी की जगह ब्रेड दिया गया।

आज से कुछ दिन पहले अस्पताल में पांच दिनों तक रोटी और चावल नहीं मिला था। खाने की थाली में दो प्रकार की सब्जी, अंडा और ब्रेड मिला था। रोटी क्यों खत्म हुई थी इसके बारे में हमें नहीं पता है। जब मैंने नर्स से इस बारे में पूछा तो मुझे उनसे कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला।

-नायर अस्पताल का मरीज

मैं यहां एक हफ्ते से अधिक समय से भर्ती हूं। मेरा हार्ट का ऑपरेशन होने वाला है। कुछ दिन पहले लगातार पांच दिनों तक खाने में रोटी की जगह ब्रेड दिया गया था, लेकिन हमें इसकी वजह नहीं बताई गई थी। ब्रेड में मैदा होता है, जिससे मेरी पाचन क्रिया बिगड़ जाती है, लेकिन मुझे मजबूरन ब्रेड खाना पड़ा। इसके चलते मुझे एसिडिटी की दिक्कत भी हुई थी।

-नायर अस्पताल का मरीज

वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर दोस्त के साथ नशे में बाइक चलाते समय दुर्घटना... युवक की दर्दनाक मौत !

मुंबई : वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर मंगलवार को तेज रफ्तार बाइक के डिवाइडर से टकरा जाने से अपने दोस्त के साथ पीछे बैठे 22 वर्षीय एक युवक की मौत हो गई। डॉक्टरों द्वारा संभावना की पुष्टि करने के बाद पुलिस ने कहा कि उनकी पहचान सिद्धेश गुरव (मृतक) और वैभव मोहिते के रूप में की गई है, दोनों शराब के नशे में थे।फिलहाल इलाज करा रहे मोहिते के खिलाफ दर्ज की गई एफआईआर में गुरव के पिता ने कहा कि उनका बेटा, 12वीं कक्षा पास है, 12 फरवरी को रात 8.30 बजे परिवार को बताए बिना घर से निकल गया था। उन्होंने बार-बार उससे संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन व्यर्थ।

रात करीब 10.45 बजे, मृतक ने कॉलबैक किया और कहा कि वह मोहिते के साथ है और रात 11.30 बजे तक वापस आ जाएगा।रात के अंधेरे में, गुरव का एक और दोस्त उसके घर पहुंचा, और परिवार को सूचित किया कि मृतक और मोहिते के साथ पेट्रगेट, सांताक्रूज पूर्व में एक दुर्घटना हुई है। पुलिस ने दोनों को अस्पताल पहुंचाया, जहां सिर और पेट में चोट लगने के कारण गुरव को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। मेडिको ने यह भी बताया कि वे दोनों शराब के नशे में थे।पुलिस के अनुसार, दोनों अंधेरी से बांद्रा की ओर तेजी से जा रहे थे, तभी मोहिते ने नियंत्रण खो दिया, जिसके परिणामस्वरूप डिवाइडर से टक्कर हो गई। उनके पैर में गंभीर चोट लगी और उन्हें कूपर अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। उनके खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 304 (ए) (लापरवाही से मौत का कारण), 279 (तेज गाड़ी चलाना), और 338 (जीवन को खतरे में डालने वाला कार्य) के साथ-साथ धारा 184 (तेज गति से गाड़ी चलाना) और 185 (ड्राइविंग) के तहत मामला दर्ज किया गया है। वकोला पुलिस स्टेशन में मोटर वाहन अधिनियम के एक शराबी व्यक्ति द्वारा)। पुलिस उप-निरीक्षक नारायण गोरे ने कहा, ''आरोपी की सर्जरी की जाएगी। उनके डिस्चार्ज होने के बाद आगे की कार्रवाई की जा सकती है।''

युवती से बलात्कार करने वाला आरोपी गिरफ्तार

महाराष्ट्र : अंबिकापुर कोतवाली पुलिस ने युवती से बलात्कार करने वाले आरोपी को वर्धा महाराष्ट्र से गिरफ्तार किया है। आरोपी शातिर किस्म का है। उसके विरुद्ध पूर्व में भी गंभीर आपराधिक प्रकरण दर्ज हो चुके हैं। पुलिस के मुताबिक गत दिनों पीड़िता ने थाना कोतवाली आकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसका वर्ष 2023 में प्रताप मरावी नामक युवक से जान परिचय हुआ था। दोनों की बातचीत होती थी। गत 21 अक्टूबर 2023 को प्रार्थिया निजी कार्य से अम्बिकापुर आई थी, इसकी जानकारी प्रताप मरावी को भी थी। देर रात्रि प्रार्थिया के पहुंचने पर प्रताप मरावी अपने मोटरसायकल से बस स्टैंड पहुंचकर उसे अपने वाहन में बैठाकर लालमाटी जंगल की ओर ले गया और मारपीट कर बलात्कार किया।

मराठा आरक्षण के मुद्दे पर महाराष्ट्र सरकार झूठ बोल रही है - आदित्य ठाकरे

नासिक : शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने बुधवार को मराठा आरक्षण के मुद्दे पर एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार पर तीखा हमला बोला। आदित्य ठाकरे ने कहा, ''यह सरकार केवल झूठी सांत्वना देती है और पहले दिन से झूठ बोलती है। उन्होंने कुछ नहीं किया और आज यह सच्चाई लोगों के सामने आ रही है।'' मुख्यमंत्री पर आगे हमला करते हुए उन्होंने कहा, ''एकनाथ शिंदे ने मराठा आरक्षण पर विरोध करने वालों से झूठ बोला होगा। वह आदतन झूठे हैं। मुझे लगता है कि किसी को इस मुद्दे का समाधान लाना चाहिए।'' इस बीच, मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जारांगे पाटिल द्वारा एक और अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू करने के बाद, आरक्षण के संबंध में महाराष्ट्र विधानसभा का एक विशेष सत्र इस सप्ताह के अंत में बुलाए जाने की संभावना है, सूत्रों ने कहा। शनिवार को, कार्यकर्ता मनोज जारांगे पाटिल ने मराठा आरक्षण के लिए दबाव बनाने के लिए महाराष्ट्र के जालना जिले में अपने गांव, अंतरवाली-सरती से एक और अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू की।

पाटिल ने यह भी मांग की कि राज्य सरकार मराठा समुदाय के सदस्यों के खिलाफ दायर सभी मामलों को वापस लेने की प्रक्रिया शुरू करे। भले ही राज्य सरकार ने एक मसौदा अधिसूचना जारी कर मराठा समुदाय को आरक्षण देने का दावा किया है, लेकिन नेताओं द्वारा दिए गए विरोधाभासी बयानों के बाद जारांगे पाटिल और उनका समुदाय संदेह में हैं।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : शॉप नंबर ४ , मदीना मेंशन, ८१ ए, कैडल रोड, अपोजिट बिल्लाबोंग स्कूल, माहिम पश्चिम, मुंबई ४०००१६ , महाराष्ट्र मोबाइल नं 998777 5650 व्हाट्सप्प नं 7977408589: Email-editor@rokthoklekhaninews.com